www.rrbrecruitment.co.in

Candidates should answer questions from the following Part only if they have opted for HINDI as LANGUAGE—II.	*परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने भाषा—II का विकल्प हिन्दी चुना हो।*

भाग—V : भाषा—II

हिन्दी

निर्देश : नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए (प्र० सं० **121** से **128**) :

जीवन में बहुत अंधकार है और अंधकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है। कुछ लोग इस अंधकार को स्वीकार कर लेते हैं और तब उनके भीतर जो प्रकाश तक पहुँचने और पाने की आकांक्षा थी, वह क्रमशः क्षीण होती जाती है। मैं अंधकार की इस स्वीकृति को मनुष्य का सबसे बड़ा पाप कहता हूँ। यह मनुष्य का स्वयं अपने प्रति किया गया अपराध है। उसके दूसरों के प्रति किए गए अपराधों का जन्म इस मूल पाप से ही होता है। यह स्मरण रहे कि जो व्यक्ति अपने ही प्रति इस पाप को नहीं करता है, वह किसी के भी प्रति कोई पाप नहीं कर सकता है। किन्तु कुछ लोग अंधकार के स्वीकार से बचने के लिए उसके अस्वीकार में लग जाते हैं। उनका जीवन अंधकार के निषेध का ही सतत उपक्रम बन जाता है।

121. गद्यांश में 'अंधकार' शब्द किस ओर संकेत करता है?

(1) पाप की ओर
(2) बुराइयों और कठिनाइयों की ओर
(3) अपराधों की ओर
(4) गरीबी की ओर

122. लेखक ने किसे सबसे बड़ा पाप कहा है?

(1) प्रकाश पाने की क्षीण आकांक्षा
(2) मनुष्य का अपने प्रति पाप न करना
(3) अंधकार को स्वीकार न करना
(4) अंधकार को स्वीकार कर लेना

123. जब व्यक्ति स्वयं के प्रति किए गए अन्याय, शोषण के विरुद्ध आवाज़ नहीं उठाता तो

(1) इससे दूसरों के प्रति अन्याय, शोषण को बढ़ावा मिलता है
(2) वह केवल अपने प्रति अन्याय करता है
(3) इससे शांति का माहौल बना रहता है
(4) वह दंड का अधिकारी बन जाता है

124. 'अंधकार का निषेध' किस ओर संकेत करता है?

(1) अन्याय, शोषण, बुराइयों को सदा के लिए समाप्त करना
(2) समाज में फैले अंधकार को प्रकाश में बदल देना
(3) समाज को अंधकार से मुक्त कराने के लिए प्रयत्नशील रहना
(4) यह मानना कि समाज में अन्याय, शोषण, बुराइयाँ नहीं हैं

125. इस गद्यांश का मुख्य उद्देश्य है

(1) अंधकार और प्रकाश की व्याख्या करना
(2) अन्याय और बुराइयों को दूर करने के लिए प्रेरित करना
(3) तरह-तरह के लोगों की विशेषताएँ बताना
(4) पाप और पुण्य की व्याख्या करना

Note :The Information Provided here is only for Reference.It may vary the original.

www.rrbrecruitment.co.in

126. इस गद्यांश में 'उपक्रम' का अर्थ है

(1) आरंभ, शुरुआत

(2) तैयारी, योजना

(3) आयोजन, समारोह

(4) व्यवसाय, कार्य

127. जीवन में बहुत अंधकार है। रेखांकित अंश में कौन-सा कारक है?

(1) अपादान कारक

(2) अधिकरण कारक

(3) करण कारक

(4) सम्प्रदान कारक

128. "...और अंधकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है।" वाक्य में निपात है

(1) ही

(2) की

(3) है

(4) और

निर्देश : सबसे सही विकल्प का चयन कीजिए (प्र० सं० **129** से **143**) :

129. प्राथमिक स्तर की शिक्षा में सम्प्रेषण का माध्यम —— ही होनी चाहिए, क्योंकि इसी भाषा में ही बच्चे का मस्तिष्क सबसे पहले क्रियाशील होता है।

(1) अंग्रेज़ी

(2) मातृभाषा

(3) प्रदेश की भाषा

(4) हिन्दी

130. भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में दिए गए अभ्यास

(1) बच्चों को चीज़ों को परखने, गहराई में जुड़ने और व्यापक अनुभव-स्तर से तादात्म्य का अवसर देते हैं

(2) बच्चों की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को सीमित करते हैं

(3) बच्चों को विस्तृत अभ्यास करने और शिक्षकों को बच्चों की भाषा में सुधार करने के तरीके बताते हैं

(4) बच्चों का सही-सही आकलन करने में सदैव मदद करते हैं कि वे क्या नहीं जानते

131. हिन्दी भाषा में सतत आकलन का सर्वाधिक उचित तरीका है

(1) हर पन्द्रह दिन में सरल परीक्षा लेना

(2) बच्चों को अपने अनुभवों को कहने-लिखने के पर्याप्त अवसर देना

(3) बच्चों से समूह में परियोजना-कार्य करवाना

(4) बच्चों से अनौपचारिक बातचीत करना

Note :The Information Provided here is only for Reference.It may vary the original.

www.rrbrecruitment.co.in

132. भाषा-कक्षाओं में प्रदर्शित सामग्री केवल तब सजावटी हो जाती है जब

(1) बच्चों को पढ़ना-लिखना सिखाने में उसका उपयोग नहीं होता

(2) वह बच्चों को अनिवार्यतः कोई मूल्य न सिखाए

(3) वह सामग्री पाठ्य-पुस्तक की न हो

(4) बच्चे उसे आते-जाते देखते हैं

133. चॉम्स्की के अनुसार बच्चों के पास भाषा सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। अतः हिन्दी भाषा की कक्षा में बच्चों को

(1) विविध भाषा-प्रयोगों से परिचय प्राप्त करने के अवसर दिए जाने चाहिए

(2) व्याकरण के नियम समझा दिए जाएँ ताकि वे अपनी इस क्षमता के माध्यम से जल्दी भाषा सीख सकें

(3) सतत और व्यापक आकलन की प्रक्रिया से मुक्त रखें, उन पर अनावश्यक बोझ न डालें

(4) कुछ भी न पढ़ाने की आवश्यकता नहीं है

134. निम्नलिखित में से कौन-सा नियम पढ़ना सीखने में मुश्किल पैदा नहीं करता?

(1) यह सुनिश्चित करना कि ध्वनि के नियम सीखकर उन पर अमल किया जाए

(2) बच्चों पर सावधानीपूर्वक पढ़ने के लिए ज़ोर डालना

(3) शब्द-प्रति-शब्द पढ़ते हुए गति को बढ़ाने का आग्रह करना

(4) चित्र, संदर्भ और पूर्व अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ने के अवसर देना

135. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है

(1) चार अक्षर वाले शब्द पढ़-लिख लेना

(2) पाठ्य-पुस्तक के अंत में दिए गए सभी अभ्यासों को पूरा करना

(3) दूसरों की बातों को धैर्य से सुनना और सुनी गई बात पर अपनी टिप्पणी देना

(4) वर्णमाला को क्रम से याद करना

136. "तुम्हारे आस-पास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं, जिनकी बहुत तेज़ महक है? फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।" हिन्दी भाषा के इन अभ्यासों का क्या उद्देश्य है?

(1) पाठ को अपने अनुभव-संसार से जोड़ने के अवसर देना और बहुभाषिकता को पोषित करना

(2) बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देते हुए यह जानना कि क्या वे अपनी भाषा में लिख सकते हैं

(3) बच्चों को फूलों और उनकी महक के बारे में विस्तृत जानकारी देना

(4) बच्चों से यह जानना कि कितने फूलों के नाम जानते हैं

137. संगीता अकसर शब्दों को उलटा लिखती है और लिखते समय कुछ अक्षरों को छोड़ देती है। उसे लिखने में कठिनाई होती है। उसकी समस्या —— से सम्बन्धित है।

(1) डिस्ग्राफ़िया

(2) डिस्केलकुलिया

(3) दृष्टिबाधिता

(4) डिस्लेक्सिया

Note :The Information Provided here is only for Reference.It may vary the original.

www.rrbrecruitment.co.in

138. प्राथमिक स्तर पर बच्चों के शुरुआती भाषा-विकास में सर्वाधिक योगदान दे सकते/सकती है/हैं

(1) टी० वी० पर देखे जाने वाले पंद्रह मिनट के कार्टून कार्यक्रम

(2) गृहकार्य पर व्यय किए जाने वाले तीस मिनट

(3) एफ० एम० पर पन्द्रह मिनट सुने जाने वाले समाचार

(4) परिवार में होने वाली परस्पर गुणवत्तापूर्ण बातचीत

139. यदि सुलेखा 'रेलगाड़ी' को 'रेलगाडि' लिखती है तो एक भाषा-शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) सुलेखा से 'रेलगाड़ी' शब्द तीस बार लिखवाएँगे ताकि दुबारा गलती न हो

(2) उसकी कॉपी पर 'रेलगाड़ी' शब्द लिखेंगे और सुलेखा से पूछेंगे कि लिखे हुए दोनों शब्दों में क्या अन्तर है। उसे अपना शब्द स्वयं ठीक करने के लिए कहेंगे

(3) 'रेलगाडि' शब्द पर घेरा लगाकर सही शब्द लिखकर सुलेखा की कॉपी वापस कर देंगे

(4) 'रेलगाडि' शब्द पर घेरा लगाएँगे और सुलेखा को डाँटेंगे ताकि वह आगे से शब्दों को सही-सही लिखे

140. एक समावेशी कक्षा में कविता पढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे?

(1) कविता को चार्ट पेपर पर लिखकर बच्चों की पहुँच से दूर दीवार पर लगा देंगे और उसकी ओर संकेत करके कविता ज़ोर-ज़ोर से पढ़ेंगे

(2) कविता को टेपरिकॉर्डर से सुनाएँगे ताकि सभी बच्चों पर ध्यान दिया जा सके

(3) कविता को पढ़ाने के लिए एक से अधिक विधियों का प्रयोग करेंगे ताकि बच्चों को विभिन्न इंद्रियों से अनुभव करने का अवसर मिल सके

(4) एक ही कविता को पाँच बार सुनाएँगे, पाठ करवाएँगे ताकि सभी बच्चों की समझ में आ जाए

141. विद्यालय आने से पूर्व बच्चों के पास

(1) पाँच हज़ार वाक्य होते हैं

(2) अपनी भाषा की जटिल और समृद्ध संरचनाएँ होती हैं

(3) अपनी भाषा का सम्पूर्ण बाल साहित्य होता है

(4) पाँच हज़ार शब्द होते हैं

142. हिन्दी भाषा-शिक्षक को यह स्वीकार करना चाहिए कि

(1) गलतियाँ सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है

(2) गलतियों पर बिल्कुल ध्यान न देने से वे सुधर जाती हैं

(3) बच्चों को उनकी गलतियाँ समझाना उनके भाषा-विकास में महान बाधा है

(4) बच्चों को भाषा सिखाना ज़रूरी नहीं है

143. जब बच्चे कहानियाँ पढ़ते हैं, तो

(1) वे बिना किसी उद्देश्य के पढ़ते हैं

(2) वे घटनाओं, पात्रों में उलझ जाते हैं

(3) वे अन्य लोगों के अनुभवों में प्रवेश करते हैं

(4) उनका नैतिक विकास अनिवार्यतः होता है

Note :The Information Provided here is only for Reference.It may vary the original.

www.rrbrecruitment.co.in

निर्देश : नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए (प्र० सं० **144** से **150**) :

शिक्षा केवल तभी बच्चों के आत्मिक जीवन का एक अंश बनती है, जबकि ज्ञान सक्रिय कार्यों के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा हो। बच्चों से यह आशा नहीं की जा सकती कि पहाड़े या समकोण चतुर्भुज का क्षेत्रफल निकालने के नियम आप से आप उन्हें आकर्षित करेंगे। जब बच्चा यह देखता है कि ज्ञान सृजन के या श्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन है, तभी वह ज्ञान पाने की इच्छा उनके मन में जागती है। मैं यह चेष्टा करता था कि छोटी उम्र में ही शारीरिक श्रम में बच्चों को अपनी होशियारी और कुशाग्र बुद्धि का परिचय देने का अवसर मिले। स्कूल का एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्यभार है—बच्चों को ज्ञान का प्रयोग करना सिखाना। छोटी कक्षाओं में यह खतरा सबसे ज़्यादा होता है कि ज्ञान निरर्थक बोझ बनकर रह जाएगा, क्योंकि इस उम्र में बौद्धिक श्रम नई-नई बातें सीखने से ही संबंधित होता है।

144. लेखक के अनुसार शिक्षा का अर्थ है

(1) ज्ञान का प्रयोग करना

(2) श्रम करना

(3) विषय पर अधिकार प्राप्त करना

(4) ज्ञान प्राप्त करना

145. ज्ञान-प्राप्ति की इच्छा कब जगती है?

(1) जब हम यह देखें कि ज्ञान हमारे भौतिक जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन है

(2) जब हम यह देखें कि ज्ञानवान मनुष्य ही श्रम का अधिकारी है

(3) जब हम यह देखें कि ज्ञान के द्वारा हम समस्त सुखों का लाभ उठा सकते हैं

(4) जब हम यह देखें कि ज्ञान के द्वारा सृजनात्मक कार्य किए जा सकते हैं

146. लेखक के अनुसार

(1) शारीरिक श्रम में तेज़ बुद्धि की आवश्यकता नहीं होती

(2) शारीरिक श्रम में समझदारी और तेज़ बुद्धि की भी आवश्यकता होती है

(3) शारीरिक श्रम बच्चों को होशियार बनाता है

(4) शारीरिक श्रम ही एकमात्र महत्त्वपूर्ण तत्त्व है

147. गद्यांश के अनुसार ज्ञान कब निरर्थक बोझ बन जाता है?

(1) जब उसे कक्षाओं तक सीमित कर दिया जाए

(2) जब उसे शारीरिक श्रम से न जोड़ा जाए

(3) जब उसका सक्रिय प्रयोग न किया जाए

(4) जब उस पर पूर्णतः अधिकार न किया जाए

148. 'इच्छा' शब्द में 'इक' प्रत्यय जोड़ने से बनने वाला नया शब्द है

(1) ऐच्छिक

(2) इच्छिक

(3) ईच्छिक

(4) एच्छिक

149. 'कार्य' का बहुवचन रूप है

(1) कार्ये

(2) कार्य

(3) कार्यक्रमों

(4) कार्यों

150. 'बौद्धिक' शब्द में मूल शब्द है

(1) बुद्ध

(2) बौद्ध

(3) बौद्धि

(4) बुद्धि

Note :The Information Provided here is only for Reference.It may vary the original.